विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट-ब्यूरो

Code No. : 66

विषयः म्यूजिऑलोजी और संरक्षण

पाठ्यक्रम

इकाई-1 म्यूजियम और म्यूजिओलॉजी का परिचय

म्यूजियम की परिभाषा और संकल्पना, ईकोम्यूजियम, सामुदायिक म्यूजियम, वर्चुअल म्यूजियम, निकटवर्ती (नेबरहुड) म्यूजियम आदि।

म्यूजिओलॉजी की परिभाषा और संकल्पना, न्यू म्यूजियोलॉजी, मेटा म्यूजिओलॉजी, म्यूजिओग्राफी आदि।
पुरा संग्रह, म्यूजियम के प्राचीन और मध्यकालीन प्रोटोटाइप।

म्यूजियम का इतिहास, संवृद्धि और विकास – भारतीय और वैश्विक संदर्भ में।

म्यूजियमों का वर्गीकरण और प्रकार।

म्यूजियम के कार्य और भूमिका।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यवसायिक संगठनों की भूमिका – म्यूजियम एसोसिएशन (यू के), भारत की म्यूजियम एसोसिएशन, यूनेस्को, आईकॉम, आईक्रोम, कॉमनवेल्थ एसोसिएशन ऑफ म्यूजियमस, अमेरिकन एलाइन्स ऑफ म्यूजियमस, आई ए एस सी, आई आई सी, आई यू सी एन, यूनेस्को-आईकोम म्यूजियम सूचना केन्द्र आदि।

आईक्रॉम कोड़ ऑफ एथिक्स।

इकाई-2 संग्रहण प्रबंधन

संग्रहण का उद्देश्य, संग्रहण की परिसीमा : मूर्त और अमूर्त।

संग्रहण के नैतिक मूल्य।

संग्रहण प्रबंधन नीति – अभिग्रहण, निपटान, उधार लेना, बीमा आदि सहित।

मूर्त और अमूर्त विरासत के संग्रहण की विधियां।

म्यूजियम की वस्तुओं के अधिप्रमाणन की विधियां।

मूर्त और अमूर्त संग्रह धारण क्षेत्र : पहुँच, निकालना, भंडारण प्रणालियां और निवारक संरक्षण के उपाय।

संग्रहण की सुरक्षा, रख-रखाव, पैकेजिंग और संग्रहण तथा लाने–ले जाने संबंधी दिशानिर्देश।

इकाई-3 मूर्त और अमूर्त संग्रह का प्रलेखन एवं शोध

म्यूजियम संग्रह के प्रलेखन के उद्देश्य।

प्रलेखन के नैतिक मूल्य।

प्रलेखन की नीति और प्रक्रिया।

प्रलेखों के प्रकार – प्रविष्टि, एक्सेशन, वर्गीकृत और संचलन रजिस्टर, इंडेक्स और कैटलॉग कार्ड। डिजिटल प्रलेखन।

वस्तुओं पर संख्यांकन -- संख्यांकन प्रणाली, किसी वस्तु पर संख्या अंकित करने की प्रक्रिया, बारकोडिंग प्रणाली।

प्रलेखन के मानक – विभिन्न प्रकार के प्रलेखों के प्रारुप। मानक शब्दावली का प्रयोग। वस्तु आई-डी की संकल्पना।

संग्रह-शोध का उद्देश्य एवं परिसीमा। संग्रह–शोध के प्रतिमान।

इकाई-4 म्यूजियम प्रदर्शनी

म्यूजियम प्रदर्शनी एक संप्रेषण माध्यम के रूप में। संप्रेषण प्रणाली के प्रतिमान प्रदर्शनी के संदर्भ में।

प्रदर्शनी के नैतिक मूल्य।

प्रदर्शनी संबंधी नीति।

प्रदर्शनी के प्रकार : अवधि, स्थान, वस्तुओं / नमूनों की व्यवस्था और उद्देश्य के आधार पर।

प्रदर्शनी के घटक : वस्तुएं / नमूने, संप्रेषण का माध्यम, पाठ (टेक्स्ट), प्रदर्शित फर्नीचर और प्रदर्शनी की सहायक सामग्री। प्रदर्शित के घटकों के बीच स्थानिक व अन्य पारिस्पारिक संबंध।

प्रदर्शनी पाठ (टेक्स्ट) : लेबलों के प्रकार, पाठ की पठनीयता और पाठ की समझ, टाईपोग्राफी, लेबलों का डिजायन बनाना और उन्हें तैयार करना।

प्रर्दशन में प्रकाश व्यवस्था – प्रकाश व्यवस्था करते समय ध्यान में रखी जाने वाली बातें, प्रकाश के स्रोतों के प्रकार, विभिन्न प्रकार के लैम्प, नये प्रयोग – फाईबर ऑप्टिक्स, ट्रैक लाईटिंग, कम्प्यूटरीकृत प्रकाश व्यवस्था।

प्रर्दशनी की प्लानिंग एवं डिजाइनिंग – प्लानिंग के चरण, प्रर्दशनी-ब्रीफ, डिजाइनिंग के सिद्धान्तों, रंगों, संरचना, प्रकाश, अर्गोनोनिक्स आदि का प्रर्दशनी डिजायन में प्रयोग। ओरिएंटेशन। आगन्तुकों का संचारण। चिन्हपट
(साइनेज)। मल्टीमीडिया का प्रयोग।

प्रर्दशनी फर्नीचर, डायोरमा एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की डिजायनिंग।

मूल्यांकन – फ्रंन्ट ऐन्ड अनालिसिस, फॉर्मेटिव एवं समेटिव मूल्यांकन

इकाई-5 म्यूजियम शिक्षा, व्याख्या और प्रकाशन

अनौपचारिक, गैर-औपचारिक और औपचारिक शिक्षा ज्ञान अर्जन में म्यूजियम की भूमिका और संभावनाएं। म्यूजियम और आजीवन ज्ञान अर्जन, म्यूजियम में ज्ञान अर्जन में बाधाएं। म्यूजियम शिक्षा बनाम व्याख्या।

म्यूजियम शिक्षा के नैतिक मूल्य।

म्यूजियम शिक्षा संबंधी नीति।

ज्ञान-अर्जन के सिद्धांत *(थ्योरीज)*। म्यूजियम में ज्ञान अर्जन के लक्षण।

म्यूजियम में ज्ञान-अर्जन हेतु विभिन्न लक्षित समूहों के लिए विभिन्न क्रियाकलाप यथा गाइडेड़ टुअर, व्याख्यान, चर्चाए, कहानी सुनाना, वर्कशीट, कार्यशालाएं-ड्रामा / नाटक – प्रत्यक्ष व्याख्या, स्लाइड / फिल्म शो, रोल प्ले, सजीव व्याख्या, डिजिटल विधियां आदि।

अशक्त व्यक्तियों हेतु ज्ञान अर्जन के लिए प्रावधान करना।

म्यूजियम विस्तार सेवाएं – सचल व वाहनों में प्रदर्शनियां, विद्यालय किट का उधार, सामुदायिक कार्यक्रम, भ्रमण, फील्ड दौरे, 'हेरिटेज वाक' आदि। डिजिटल माध्यम द्वारा विस्तार सेवा।

म्यूजियम संबंधी प्रकाशन – उद्देश्य और प्रकार

प्रतिपुष्टि (फीडबैक) : उद्देश्य और विधियाँ।

इकाई-6 संग्रहीत वस्तुओं का संरक्षण – भाग – I

संरक्षण की परिभाषाएं – निवारक, उपचारात्मक और पुनः स्थापन। संरक्षण के संबंध में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली।

संग्रहीत सामग्री की प्रकृति और गुण – कार्बनिक, अकार्बनिक और मिश्रित, खराब होने के विभिन्न कारकों एवं प्रभावित होने की संभावना।

संरक्षण के नैतिक मूल्य।

संरक्षण की नीति। संरक्षण की लेखापरीक्षा।

सामग्री के खराब होने के कारण और प्रकार – पर्यावरणीय: प्रकाश का प्रभाव, नमी, तापमान और प्रदूषण; *जैविक :* फफूंदी, कीट, कुतरने वाले जीव और पक्षी; मानवीय कारण : लापरवाही, गलत रख-रखाव और गलत उपचार।*आपदा :* आग, बाढ़, भूकंप, अग्नि-कांड आदि।

निवारक संरक्षण : महत्त्व और प्रभावकारिता; भंडारण, प्रदर्शिनियों और लाने-ले जाने में निम्न रुप से कार्यन्वयन।

प्रर्यावरणीय नियंत्रण – प्रकाश और यू वी रेडिएशन, आर एच (सापेक्षिक आर्द्रता), तापमान और प्रदूषक-सामग्री की मानीटरिंग और नियंत्रण संबंधी उपायों का प्रयोग करना। मानीटरिंग और नियंत्रण हेतु प्रयोग में लाए जाने वाले औजार और उपस्कर।

एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन (आई पी एम) – नाशीकीटो की पहचान, नियंत्रण और समाप्ति। आई पी एम में प्रयोग किए जाने वाले फफूंदीनाशक, कीटनाशक और जंतुनाशक।

रख-रखाव की अच्छी परिपाटी और म्यूजियम की वस्तुओं के रख-रखाव संबंधी नियम, रख-रखाव में प्रयोग किए जाने वाले औजार, सामग्री और उपस्कर।

इकाई-7 संग्रहीत वस्तुओं का संरक्षण – भाग – II

उपचारात्मक संरक्षण की विधि – जाँच की तकनीक, खराबी के प्रकार और सीमा का निदान, संभावित उपचार का प्रलेखन और परीक्षण, उपयुक्त सामग्री और विधि का प्रयोग करते हुए वस्तुओं का उपचार। निवारक देखभाल संबंधी सिफारिश।

निम्नलिखित सामग्री के उपचारात्मक संरक्षण में प्रयोग की जाने वाली सामग्री, उपस्कर, औजार और तकनीक –

i. कागज-पत्र और अभिलेखीय सामग्री।
ii. दीवार, कैनवस, कागज, लकड़ी, वस्त्र, ताडपत्र जैसी विभिन्न वस्तुओं पर की गई पेंटिंग।
iii. वस्त्र और वेष-भूषा।
iv. लकड़ी, त्वचा सामग्री, हड्डी, सींग और हाथी दांत।
v. लौहे, तांबे, कांसे और चांदी से निर्मित धातु की वस्तुएं।
vi. पत्थर की वस्तुएं।
vii. सिरेमिक और कांच।
viii. जैविक नमूने।

स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी मुद्दे।

इकाई-8 म्यूजियम प्रबंधन

प्रबंधन की संकल्पना : मूलाधार और क्रमिक विकास। प्रबंधन के अनिवार्य घटक – निर्णय लेना और नेतृत्व।

प्रबंधकवर्ग के कार्य :
योजना : योजनाओं के प्रकार – विजन और मिशन संबंधी विवरण, उद्देश्य, नीतियां, प्रक्रिया, नियम, कार्य-नीति, कार्य योजना और आकस्मिक योजनाएं। योजना प्रक्रिया, एम बी ओ, कार्य-नीतिपरक योजना, योजना में जटिल पथ विधि और सरल बार विधि का प्रयोग।

संगठन डिजाइन – स्टाफ का ढांचा, कार्य विवरण, प्राधिकारी और दायित्व।
स्टाफ की व्यवस्था – भर्ती नियम बनाना, भर्ती की विधि, मानव संसाधन का प्रशिक्षण और विकास। कार्य-निष्पादन मूल्यांकन।

नियंत्रण – नियंत्रण की प्रक्रिया और विधि।

वित्त व्यवस्था – निधि जुटाने के स्रोत, बजट और बजट तैयार करना।

परियोजना प्रबंधन।

कार्य-स्थल पर उत्पीड़न की रोकथाम।

म्यूजियम की सुरक्षा – जोखिम का मूल्यांकन और प्रबंधन, मानव, वास्तविक और इलैक्टॉनिक सुरक्षा। सुरक्षा की प्रक्रिया। अग्नि सुरक्षा। आपदा प्रबंधन-तैयारी, निवारण, प्रतिक्रिया और रिकवरी।

इकाई-9 म्यूजियम विपणन और जन संपर्क

विपणन का अर्थ और उद्देश्य और म्यूजियम में इसकी भूमिका। विपणन संबंधी शब्दावली।

उत्पादों की संकल्पना और प्रकार। उत्पाद का जीवन-चक्र और विभिन्न अवस्थाओं में विपणन संबंधी कार्य-नीति। बहुउत्पाद संगठन और सेवाओं के रूप में म्यूजियम।

विभक्तिकरण और लक्ष्य विपणन – महत्त्व, आधार और तरीके।

विपणन मिश्रण – उत्पाद, कीमत, प्रोन्नयन (प्रमोशन) और स्थान : महत्त्व, साधन और कार्य-नीतियां।

विपणन शोध – उद्देश्य, प्रकार और विधियां।

विपणन बनाम जन संपर्क। जन संपर्क की परिभाषाएं और महत्त्व।

जन संपर्क के आधारभूत सिद्धान्त। जन संपर्क के साधन, युक्ति और कार्य-नीति। मीडिया के साथ संबंध। जन संपर्क अभियान।

इकाई-10 म्यूजियम और विरासत से संबंधित विधान और परंपराएं

भारतीय निखात निधि-अधिनियम, 1878

प्राचीन स्मारक तथा पुरात्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम 1958

पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972

वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972

निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेंशन, 1972

कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन इंडेंजर्ड स्पीशीज़ ऑफ वाइल्ड फ्लोरा एण्ड फौना (सी आई टी ई एस), 1973

द वेनिस चार्टर, 1964

द यूनेस्को कन्वेंशन फॉर द सेफगार्डिंग ऑफ द इंटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज, 2003